विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण **30 अगस्त 2020**

वर्ग पंचम **राजेश कुमार पाण्डेय**

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

स्मरणीयम्

1. संख्यावाचक शब्द विशेषण के समान प्रयुक्त होते हैं।
2. संख्यावाचक शब्द के लिंक, विभक्ति और वचन विशेष्य के अनुसार चलते हैं।
3. एक से चार तक की संख्याओं के रूप तीनों लिंगो में पृथक - पृथक चलते हैं।
4. पाँच से आने की संख्या के शब्दों के रूप तीनों लिंगो में एक जैसे ही जाते हैं।

अभ्यास

क] कोष्ठके प्रदत्त अंकान् संस्कृते लिखति।

(कोष्ठक में अंक को संस्कृत में लिखिते।)

1. ग्रहः ..... सन्ति। (9)
2. कालाः ..... सन्ति। (3)
3. सूर्यः ..... अस्ति। (1)
4. तत्र ..... वानरः नृत्यन्ति। (4)

5. ..... पुस्तकानि तस्य सन्ति। (3)